>

Title: Need to confer Bharat Ratna on Shri Vinayak Damodar Savarkar posthumously.

श्री हंसराज गं. अहीर (चन्द्रपुर): भारतीय स्वाधीनता के संघर्ष के इतिहास में सशस्त्र सेनानियों का बड़ा योगदान रहा है। इन सशस्त्र सेनानियों, क्रांतिकारियों के नायक के रूप में स्वातंत्र्य वीर सावरकर को जाना जाता है। उन्होंने अपने बाल्यकाल से लेकर अपनी जवानी की आहूति राष्ट्र के स्वतंत्रता यज्ञ में दी है। ऐसे प्रेरक व्यक्तित्व का यथोचित सम्मान कर आगामी पीढ़ी को प्रेरणा ग्रहण करने में सहायक सिद्ध हो इसलिए स्वातंत्र्य वीर विनायक दामोदर सावरकर जी को मरणोपरांत "भारत रत्न" से सम्मानित करने की आवश्यकता है।

स्वातंत्र्यवीर सावरकर जी केवल सशस्त्र आंदोलन के नायक ही नहीं अपितु साहित्यकार, कवि, नाट्य लेखक एवं सामाजिक सुधार के लिए कार्यरत समाज सुधारक भी रहे। उन्होंने अपने आजीवन सजा में देशभक्ति पर रचनाएं की और उसके बाद उन्होंने नासिक में दलितों को मंदिर प्रवेश के लिए आंदोलन चलाया, सामाजिक समरसता के लिए उन्होंने सामूहिक भोज के कार्यक्रम चलाये। स्वाधीनता के संघर्ष के दौरान स्वदेशी वस्तुओं की वकालत कर उन्होंने विदेशी वस्तुओं की होली के कार्यक्रम संपन्न कराये। ऐसे बहुआयामी व्यक्त्व और असाधारण नेतृत्व का सम्मान कर हम "भारत रत्न" पुरस्कार की गरिमा को और बढ़ा सकते हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार को अनुरोध करता हूं कि राष्ट्र नायक क्रांतिकारियों के पुरोध, सामाजिक समरसता के लिए कार्यरत स्वातंत्र्यवीर सावरकर जी को मरणोपरांत "भारत रत्न" देने के लिए केन्द्र सरकार घोषणा करे।